विनियोग संख्या 63 – भारत का उच्चतम न्यायालय
APPROPRIATION No. 63–SUPREME COURT OF INDIA

			कुल विनियोग Total appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
					(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्व:	**Revenue:**				
प्रभारित-	*Charged–*				
मूल	*Original*	*58,57,00*	*79,30,00*	*74,33,25*	*–4,96,75*
पूरक	*Supplementary*	*20,73,00*			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*4,96,26*

टीका और टिप्पणियां

1. *विनियोग* में, कुल बचतें (*496.75 लाख रु.*) अक्तूबर, 2008 और फरवरी, 2009 में प्राप्त किए गए *2073.00 लाख रु.* के पूरक *विनियोग* का 24 प्रतिशत और कुल स्वीकृत *विनियोग* का 6 प्रतिशत थीं।

बचत निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुई:-

Notes and comments

1. In the *appropriation*, the overall savings (*Rs.496.75 lakhs*) constituted 24 percent of the supplementary *appropriation* of *Rs.2073.00 lakhs* obtained in October, 2008 and February, 2009 and 6 percent of the total sanctioned *appropriation.*

Saving occurred under the following major head:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष ''2014''	Major Head "2014"				
न्याय प्रशासन	Administration of Justice				
मू.	*O.*	*5857.00*	*7433.74*	*7433.25*	*–0.49*
पू.	*S.*	*2073.00*			
पु.	*R.*	*–496.26*			

(I) ''उच्चतम न्यायालय - स्थापना'' के अंतर्गत *5857.00 लाख रु.* के मूल *विनियोग* को *2073.00 लाख रु.* का पूरक *विनियोग* प्राप्त करके बढ़ाकर *7930.00 लाख रु.* कर दिया गया। तथापि, जो सेवानिवृत अधिकारियों और स्टाफ के कर्मचारियों का वेतन निर्धारण/बकाया बिलों की अदायगी को अंतिम रूप न दिए जाने और सुरक्षा से संबंधित निर्माण कार्यों को पूरा न किए जाने के कारण *496.75 लाख रु.* की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(I) Under "Supreme Court – Establishment" – the original *appropriation* of *Rs.5857.00 lakhs* was augmented to *Rs.7930.00 lakhs* by obtaining supplementary *appropriation* of *Rs.2073.00 lakhs* which, however, remained untilised to the extent of *Rs.496.75 lakhs* – due to non-finalisation of pay fixation/payment of arrear bills of retired officers, staff members and non-completion of security related works.